[Mr. Chairman]

If the Members are there, then this is the time allotted. If the Members are not there, we will call once, twice and then go to the next item. That should be the practice. Now farewell to retireing Members.

FAREWELL TO RETIRING MEMBERS

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, today, we bid farewell to some of our colleagues from the States of Uttar Pradesh and Uttarakhand, namely, Dr. Chandrapal Singh Yadav, Shri Javed Ali Khan, Shri P. L. Punia, Shri Ravi Prakash Verma, Shri Rajaram, Prof. Ram Gopal Yadav, Shri Veer Singh, Shri Hardeep Singh Puri, Shri Neeraj Shekhar, Shri Arun Singh and Shri Raj Babbar, who would be retiring in the month of November.

Hon. Members, while retirement marks the completion of the term of office of the Members, it also imbues in them a sense of fulfilment and contentment of having served the people of this country, a feeling which they are going to cherish throughout their life. To be bestowed upon with the responsibility to represent the people of this country and to continuously strive to come up to their expectations is the biggest privilege as well as a challenge for a Member of this august House.

The retiring Members will be leaving this august House with loads of invaluable experiences and memories which will continue to guide them in their noble path of public service. It will also prove to be a store house of knowledge for aspiring and young politicians.

The retiring Members have contributed significantly to the deliberations of this House and the Parliamentary Committees which they represented. I place on record my appreciation and also the appreciation of the House for the valuable contribution and service rendered by them with utmost dedication and fervour to further the cause of democracy.

Though some Members might be re-elected -- I hope -- this House will certainly miss those who would not be coming back immediately. I hope that the retiring Members will continue to serve the people in different capacities with the same zeal, enthusiasm, vigour and spirit of service which they have exhibited in this House. I know that some of these Members or many of these Members are only retiring, but they are not tired. They will continue to serve the people in whatever capacities they are in public life. This is one opportunity given to represent the people in this august House. Otherwise, we will be in public life taking up the cause of the people and then trying to address the

cause of the people. So, I wish all the retiring Members good health, happiness and many more years of service to the nation. If any retiring Member wants to speak, he may speak.

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): धन्यवाद सभापति जी, आपने जो हम लोगों के बारे में बोला है, आपका जो वचन है, वह हम लोगों के लिए आशीर्वाद के समान है। इस सदन में आना मेरे लिए एक सौभाग्य की तरह था। राज्य सभा में आने से पहले मैं लोक सभा में था। 12-13 साल तक जो लोगों का आशीर्वाद मिला, जो यहां के नेताओं का आशीर्वाद मिला, उसके लिए मैं हमेशा सबका ऋणी रहूंगा। मुझे आज भी याद है, जब मैं बहुत छोटा था, 6-7 साल का था, उस समय मैं पिताजी के साथ सेंट्रल हॉल में आता था और हम लोग राज्य सभा और लोक सभा में खेलते थे क्योंकि उस समय जब सेशन नहीं होता था तो उतनी सिक्योरिटी नहीं होती थी। तब से मन में एक लालसा थी कि जब बड़ा हो जाऊं तो मैं इस सदन में आऊं। पिताजी के बाद मुझे यहां आने का सौभाग्य मिला। जब मैं सदन में आया तो मेरा एक लक्ष्य था। महोदय, मैं एक छोटी सी कहानी सुनाना चाहता हूं। जब 2007 में मैं चुनाव जीता तो चुनाव जीतने के बाद मैं बलिया से दिल्ली आ रहा था। मुगलसराय जंक्शन जो अब आदरणीय पं0 दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के नाम से है, वहां से मैं राजधानी ट्रेन पकड़ने वाला था। उस समय का एक दृश्य मेरे जीवन में छप सा गया है। हम सब खड़े थे, मेरे साथ मेरे कई समर्थक थे, सहयोगी थे, सब लोग बड़े खुश थे। उस समय कुछ छोटे बच्चे platform पर थे। तभी एक ट्रेन आयी और उस ट्रेन से जो उसका attendant होता है, उसने कुछ खाना बाहर रखा तो सभी बच्चे उसकी तरफ दौड़ने लगे। उनमें से एक लड़का बोलता है, अरे, रुक जाओ, अभी राजधानी आ रही है, उसमें अच्छा खाना मिलेगा। महोदय, हम लोगों को यह अवसर मिला है कि उन बच्चों का भविष्य हम बदल सकें। ऐसा न हो कि हमेशा यही होता रहे। मुझे खुशी है कि इन 12 सालों में थोड़ा-बहुत जो भी contribution मैं कर सका होऊंगा, अगर एक भी बच्चे का मैंने भविष्य बदला होगा तो वह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात होगी और यह हम सब लोगों का कर्तव्य है। लोग कहते हैं कि आप पार्लियामेंट में आकर क्या करते हैं? अगर हम लोग इस प्रकार के legislation बनाएं - जैसे मुझे लगता है कि जो नयी शिक्षा नीति है, इस प्रकार के legislation हम लोग लाएं, जिससे बच्चों का भविष्य बदल सके - यह हम लोगों का दायित्व है। हम लोग इसमें एक छोटा सा अंग भी बनें तो वह हम लोगों के लिए बहुत बड़े सौभाग्य की बात होती है।

अंत में, मैं बस यही कहना चाहता हूं कि मैं रोज़ भगवान से एक ही प्रार्थना करता हूं। अभी से नहीं, मुझे याद है, मैंने 1975 में अपनी माताजी के साथ पूजा करना शुरू किया था, जब पिताजी emergency के समय में जेल चले गए थे। वह समय बड़ा कठिन समय था तो मैं भी पूजा करने लगा था। उस समय मैं सात-आठ साल का रहा होऊंगा। तब से लगातार मेरी एक धारणा है और भगवान से मैं हमेशा एक चीज़ रोज़ मैं मांगता हूं कि मेरा देश स्वच्छ रहे, शिक्षित रहे और शक्तिशाली रहे - यही मेरी कामना है, जय हिन्द।

MR. CHAIRMAN: God bless you, Neeraj Shekhar. We will be really missing you and all other hon. Members who are retiring in November. Now, Shri Thaawar Chand Gehlot to move the Motion for election to the Rehabilitation Council of India.